Topic.....Date.....

हिन्दी (301)

प्रश्न - 1 (क)

जायसी के 'पद्मावत' में प्रेम के स्वरूप का उल्लेख करते हुए आधुनिक संदर्भ में उसके महत्व को प्रतिपादित कीजिए।

उत्तर

जायसी के 'पद्मावत' में प्रेम एक आध्यात्मिक और अलौकिक स्वरूप में प्रस्तुत होता है। यह प्रेम सांसारिक इच्छाओं से परे जाकर, आत्मा की शुद्धि और परिपूर्णता की दिशा में यात्रा करता है। आधुनिक संदर्भ में, यह प्रेम मानवता के भीतर के सत्य और ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जो हमें भौतिक इच्छाओं से ऊपर उठने का संदेश देता है।

Topic.....Date.....

प्रश्न - २ (ख)

'दो कलाकार' कहानी की प्रमुख पात्र अरुणा की किन्हीं दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

उत्तर

अरुणा की दो विशेषताओं का उल्लेख -

1. अरुणा के हृदय में सच्ची संवेदना है। दया, करुणा, मैत्री, परोपकार तथा सहानुभूति से भरा उसका हृदय कर्म के प्रति अनुप्रेरित करता रहता है।

२. वह समाज सेवा के लिए हमेशा तैयार रहती है। कभी वह आस-पास के बच्चों को पढ़ाती है तो कभी बाढ़ पीड़ितों के लिए चंदा इकट्ठा करने में व्यस्त रहती है।

Topic.....Date.....

प्रश्न - 3 (क)

'ठेस' कहानी मुख्य पात्र सिरचन की ऐसी कौन सी दो विशेषताएँ है जो आपको अत्याधिक प्रभावित करती है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

'ठेस' कहानी में सिरचन की विशेषताएं :

सिरचन प्रेमचंद की कहानी 'ठेस' का मुख्य पात्र है, जिसकी जीवन की स्थितियाँ और उसके साथ हुए सामाजिक व्यवहार उसे गहराई से प्रभावित करते हैं। सिरचन की पहली विशेषता उसकी भावुकता है। वह अत्यंत संवेदनशील व्यक्ति है, जो दूसरों के तिरस्कार और उपेक्षा को गंभीरता से लेता है। कहानी में एक घटना में जब उसे चोट लगती है, तो यह चोट केवल शारीरिक नहीं होती, बल्कि उसकी आत्मा पर भी गहरी ठेस लगती है। यह उसके आत्मसम्मान को आहत करती है और उसे यह एहसास दिलाती है कि समाज में उसका स्थान निम्नतर समझा जाता है।

दूसरी विशेषता उसका आत्मसम्मान है। सिरचन मेहनती और स्वाभिमानी व्यक्ति है, जो कठिनाइयों के बावजूद अपने सम्मान के साथ समझौता नहीं करता। वह खुद को दूसरों के समक्ष नीचा महसूस नहीं करना चाहता है और अपने मान-सम्मान की रक्षा के लिए संघर्ष

Topic.....Date.....

करता है। उसकी यही संवेदनशीलता और आत्मसम्मान कहानी की मूल भावनात्मक धारा को संचालित करते हैं।

प्रश्न - 4 (क)

'वह तोड़ती पत्थर' कविता के संदर्भ को सविस्तार प्रस्तुत कीजिए और आज के परिवेश के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

उत्तर

'वह तोड़ती पत्थर' कविता के लेखक सुमित्रानंदन पंत हैं, जिन्होंने इस कविता के माध्यम से श्रमिक वर्ग की दुर्दशा और समाज में उनके प्रति उपेक्षा का चित्रण किया है। कविता की नायिका एक साधारण महिला है जो पत्थर तोड़ते हुए दिखाई देती है। पंत जी ने उसके संघर्ष, श्रम और समाज में उसकी स्थिति को गहराई से महसूस किया है। इस कविता का मुख्य संदेश यही है कि मेहनतकश मजदूर, विशेष रूप से महिलाएँ, अत्यधिक परिश्रम करती हैं लेकिन उनके श्रम का उचित मूल्यांकन नहीं किया जाता है।

कविता की नायिका पत्थर तोड़ते हुए अपने जीवन की कठिनाइयों का सामना कर रही है और यह स्थिति हमारे समाज में रोजमर्रा का हिस्सा है। आज के संदर्भ में भी यह कविता बड़ी तरह

Topic.....Date.....

प्रासंगिक है। महिलाओं और गरीब श्रमिकों की स्थिती अब भी उतनी ही कठिन है, जहाँ उन्हें पर्याप्त वेतन, सुविधाएँ और अधिकार नहीं मिलते। आर्थिक विषमता आज भी एक प्रमुख समस्या है, जहाँ उच्च वर्ग का दबदबा है और निचले वर्ग को लगातार संघर्ष करना पड़ता है। इस कविता का संदेश यह है कि हमें समाज के इस असमानता को दूर करने की दिशा में सोचना चाहिए और मेहनतकश लोगों के अधिकारों की सुरक्षा करनी चाहिए।

प्रश्न - 5 (क)

फीचर लेखन के प्रमुख चरणों को सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर

फीचर लेखन पत्रकारिता का एक महत्वपूर्ण अंग है, जिसमें किसी विषय पर विस्तार से, रोचक ढंग से और सूचनात्मक लेख प्रस्तुत किए जाते हैं। फीचर लेखन में केवल तथ्य प्रस्तुत करने के बजाय, लेखक कहानी की तरह विषय को दिलचस्प और विश्लेषणात्मक ढंग से प्रस्तुत करता है। फीचर लेखन में प्रमुख चरण निम्नलिखित हैं:

1. विषय का चयन - फीचर लेखन के लिए सबसे महत्वपूर्ण चरण है विषय का चयन। विषय को ऐसा चुना जाता है जो रोचक हो और पाठकों को

Topic.....Date.....

आकर्षित कर सके। उदाहरण के लिए, आप 'कोरोना वायरस के बाद शिक्षा में आए परिवर्तन' पर फीचर लिख सकते हैं। यह विषय वर्तमान और प्रासंगिक है, जिससे पाठक जुड़ महसूस करेंगे।

२. शोध कार्य :- फीचर लेखन के लिए गहराई से शोध करना आवश्यक है। लेख में दिए गए तथ्यों का सही और प्रमाणित होना बहुत महत्वपूर्ण है। उदाहरण के लिए, यदि आप पर्यावरण संरक्षण का फीचर लिख रहे हैं, तो आपको नए सरकारी नियमों, पर्यावरणीय संकटों और लोगों के जागरूकता अभियानों के बारे में जानकारी एकत्र करनी होगी।

3. लेखन की संरचना :- फीचर लेखन की संरचना बहुत मायने रखती है। एक सफल फीचर में प्रारंभिक हिस्सा बहुत प्रभावी होना चाहिए ताकि पाठक की रुचि बनी रहे। इसके बाद मध्य भाग में विस्तार से विषय पर चर्चा की जाती है और अंत में निष्कर्ष या समाधान प्रस्तुत किया जाता है। उदाहरण के लिए, यदि आप 'महिला सशक्तिकरण' पर फीचर लिख रहे हैं तो शुरुआत किसी प्रेरणादायक घटना से करें, मध्य में आंकड़े और विश्लेषण दें और अंत में इसका समाज पर प्रभाव बताएँ।

4. भाषा और शैली :- फीचर लेखन में भाषा का सरल और प्रवाहमय होना जरूरी है। इसमें साहित्यिक शैली और विवरणात्मक लेखन का

Topic.....Date.....

प्रयोग किया जाता है। उदाहरण के लिए, यदि आप 'शहर में बढ़ते प्रदूषण' पर लेख लिख रहे हैं, तो उसकी भाषा ऐसी होनी चाहिए जो पाठक को समस्या की गंभीरता को महसूस करा सके।

5. समाप्ति :- फीचर लेख के अंत में एक निष्कर्ष या समापन प्रस्तुत किया जाता है, जिसमें विषय का संक्षिप्त सार दिया जाता है और भविष्य के बारे में कुछ दिशा-निर्देश या सुझाव दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, यदि आपका लेख 'स्मार्ट सिटी परियोजनाओं' पर है तो अंत में आप परियोजना के भविष्य और इसके संभावित लाभों पर प्रकाश डाल सकते हैं।

प्रश्न - 6 (क)

भक्तिकाल और आधुनिक काल के चार-चार कवियों का परिचय तथा उनकी प्रमुख रचनाओं का विवरण चित्र सहित प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर

भक्तिकाल और आधुनिक काल हिंदी साहित्य के दो महत्वपूर्ण युग हैं। भक्तिकाल में धार्मिक और आध्यात्मिक कविताओं का प्रमुख स्थान था, जबकि आधुनिक काल में सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन की समस्याओं को प्रमुखता मिली। यहाँ भक्तिकाल और आधुनिक काल के चार-चार प्रमुख कवियों का परिचय और उनकी रचनाओं का वर्णन किया गया है:

Topic.....Date.....

भक्तिकाल के चार प्रमुख कवि –

1. कबीरदास – कबीरदास संत काव्य धारा के प्रमुख कवि थे, जिन्होंने अपने दोहों के माध्यम से समाज में व्याप्त धार्मिक आडंबरों, जाति-पाति और सामाजिक विषमताओं पर प्रहार किया। उनकी रचनाएँ सरल, सहज और गहन जीवन दर्शन से परिपूर्ण हैं। उनकी प्रमुख रचनाएँ 'बीजक', 'साखी', 'रमैनी' और 'शबद' हैं।

2. सूरदास – सूरदास कृष्ण भक्ति के कवि थे और उनकी रचनाओं में कृष्ण की बाल लीलाओं का मनोहारी चित्रण मिलता है। उनकी काव्य शैली 'सूरसागर' में परिलक्षित होती है, जिसमें श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं और राधा-कृष्ण के प्रेम को वर्णित किया गया है। उनकी प्रमुख रचनाएँ 'सूरसागर', 'सूरसारावली' और 'साहित्य लहरी' हैं।

3. तुलसीदास – तुलसीदास रामभक्ति शाखा की प्रमुख कवि थे, जिन्होंने 'रामचरितमानस' जैसी अमर कृति की रचना की। उनकी रचनाओं में राम के आदर्श जीवन और धर्म की प्रतिनिष्ठा का अद्वितीय वर्णन मिलता है। उनकी अन्य रचनाएँ 'विनय पत्रिका', 'दोहावली', और 'कवितावली' हैं।

4. मीराबाई – मीराबाई कृष्ण की अनन्य भक्त थीं और उनकी कविताओं में कृष्ण के प्रति प्रेम और समर्पण की भावनाओं का अत्यंत कोमल और मार्मिक चित्रण मिलता है। उनकी कविताओं में

Topic.....Date.....

भक्ति, प्रेम और वेदना का संगम है। उनकी प्रमुख रचनाएँ 'मीरा के पद' और 'गीत गोविंद' है।

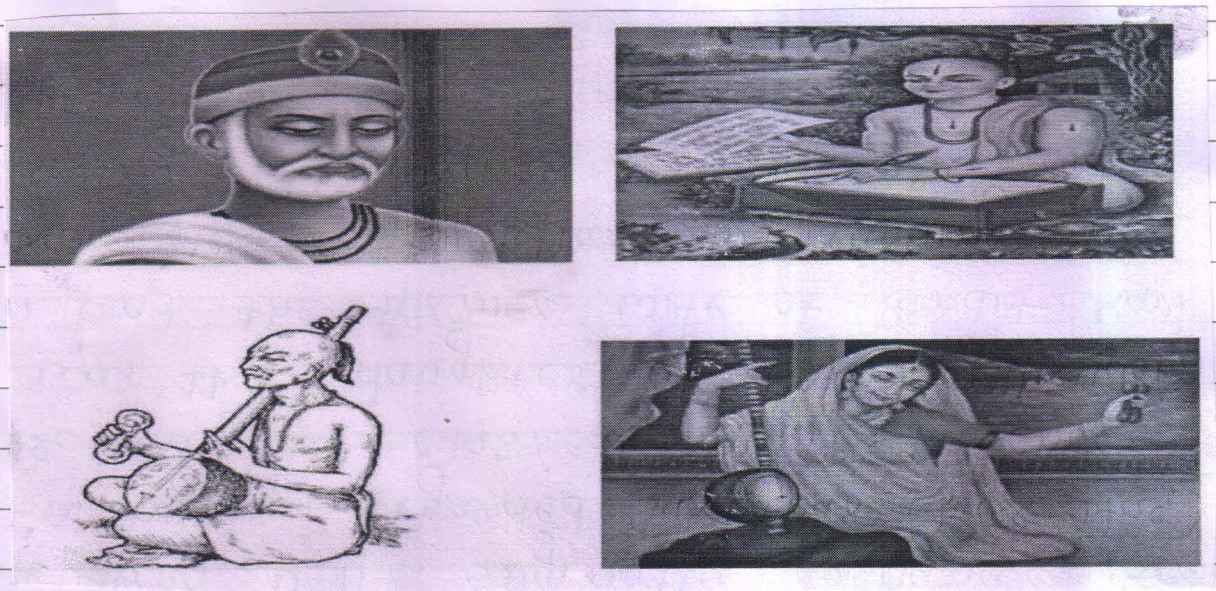

आधुनिक काल के चार प्रमुख कवि -

1. जयशंकर प्रसाद :- जयशंकर प्रसाद हिंदी साहित्य के छायावाद युग के प्रमुख कवि थे। उनकी कविताओं में राष्ट्र प्रेम, प्रकृति और जीवन के प्रति गहन दार्शनिक दृष्टिकोण झलकता है। उनकी प्रमुख कृतियाँ 'कामायनी', 'आँसू', और 'लहर' है। 'कामायनी' में मानव जीवन के विभिन्न भावों का दार्शनिक विश्लेषण किया गया है।

Topic.....Date.....

२. सुमित्रानंदन पंत :- पंत जी छायावादी युग के एक और प्रमुख कवि थे। उनकी रचनाओं में प्रकृति और मानव जीवन के बीच संबंधों का अत्यंत सजीव चित्रण मिलता है। उनकी प्रमुख रचनाएँ 'पल्लव', 'ग्राम्या', और 'गुंजन' हैं। पंत जी की काव्य भाषा अत्यंत सुंदर और संगीतात्मक है।

3. महादेवी वर्मा :- महादेवी वर्मा हिंदी की प्रमुख छायावादी कवयित्री थीं, जिन्हें 'आधुनिक मीरा' कहा जाता है। उनकी रचनाओं में करुणा, वेदना और नारी चेतना का अद्वितीय वर्णन मिलता है। उनकी प्रमुख रचनाएँ 'नीरजा', 'सांध्यगीत' और 'दीपशिखा' हैं। उनकी कविताओं में नारी की व्यथा और समाज के प्रति उनकी सोच का गहन विश्लेषण है।
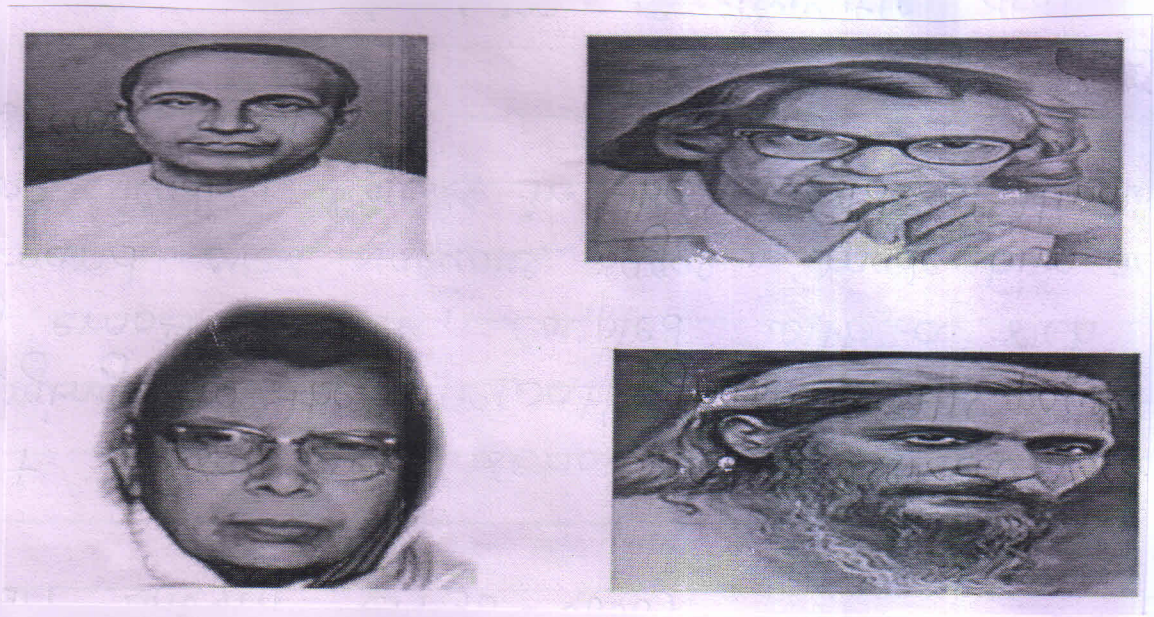
५. निराला (सूर्यकांत त्रिपाठी) :- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी साहित्य के महान कवि और लेखक थे। उनकी रचनाएँ स्वतंत्रता संग्राम और समाज सुधार की भावना से प्रेरित थीं। उनकी प्रमुख रचनाएँ 'परिमल', 'अनामिका', और 'तुलसीदास' हैं। निराला ने छायावाद को नए आयाम दिए और समाज के निचले वर्ग के प्रति सहानुभूति का भाव रखा।